

Original Article

भारत में फिनटेक नवप्रेरणा से डिजिटल व्यावसायिक प्रगति एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

कु.शुभांगी दिलीप नारेकर¹, डॉ. विशाल एन. थनगण²

¹वाणिज्य और व्यवस्थापन विभाग, गो. से. अर्थ वाणिज्य महाविद्यालय अमरावती रोड नागपुर

²सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य और व्यवस्थापन विभाग गो. से. अर्थ वाणिज्य महाविद्यालय अमरावती रोड नागपुर

Email: shubhanginarekar24@gmail.com

Manuscript ID:

JRD -2025-171108

ISSN: 2230-9578

Volume 17

Issue 11(A)

Pp. 47-55

November. 2025

Submitted: 16 Oct. 2025

Revised: 26 Oct. 2025

Accepted: 10 Nov. 2025

Published: 30 Nov. 2025

सारांश

भारत की अर्थव्यवस्था में फिनटेक क्षेत्र ने बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं में कई परिवर्तन लाये हैं। यह संशोधनपर लेख भारत देश में फिनटेक क्षेत्र की नवप्रेरणा का व्यापार क्षेत्र में महत्व स्पष्ट करता है। इसके माध्यम से व्यवसाय में डिजिटल प्रगति, पारदर्शकता, सुरक्षितता और वित्तीय समावेशन में इसका महत्व स्पष्ट किया गया है। फिनटेक भारत की अर्थव्यवस्था में व्यावसायिक विकास के लिए प्रमुख साधन है। इसके माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के व्यवसाय उनकी प्रगति के लिए समान अवसर प्राप्त कर रहे हैं। इससे आर्थिक प्रवाह सुगम होता है। इससे डिजिटल पेमेंट में मोबाइल बैंकिंग, इ-वॉलेट, नियो बैंकिंग, वित्तीय साधन, इत्यादी के माध्यमों से व्यवहार में पारदर्शकता आती है। इस संशोधनपर लेख के प्रमुख उद्देश्य फिनटेक क्षेत्र ने किस तरह से स्टार्टअप और सूक्ष्म और लघु उद्योगों को, छोटे व्यापारियों के व्यवसायों को डिजिटल बनाया है और उनके व्यवसायों पर फिनटेक नवप्रेरणा का परिणाम इस पर आधारित है। इस संशोधनपर लेख के द्वारा यह निष्कर्ष निकाला जाता है की फिनटेक नवप्रेरणा ने भारत में वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित किया है और उद्यमशीलता, निवेश इनमें भी सकारात्मक परिवर्तन आये हैं। फिनटेक नवप्रेरणा भारत को "कैशलेस और सर्वसमावेशक अर्थव्यवस्था" बनाएगी जिससे देश का व्यावसायिक विकास फिनटेक क्षेत्र आधारित होगा। फिनटेक कंपनियां व्यवसायों को तेज, सटीक और त्वरित भुगतान, ऋण, एवं निवेश सुविधाएं प्रदान कराती हैं जिससे व्यावसायिक उनकी कार्यक्षमता और उत्पादकता को बढ़ रहे हैं। इनसे नई नौकरियां और रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं। स्टार्टअप, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, जैसी योजनाओं को सरकार समर्थन दे रही है। इससे देश के अर्थव्यवस्था की प्रगति होती है।

गोषवारा : डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, ऑनलाइन व्यवहार, डिजिटल पेमेंट, डिजिटल बैंकिंग, फिनटेक व्यवसाय, इ-वॉलेट, इ.

प्रस्तावना

फिनटेक कंपनी याने ऐसी कंपनी जो आर्थिक व्यवहार, बैंकिंग, कर्ज, पेमेंट, आर्थिक सेवाएं डिजिटल माध्यमों से आसान, जल्द और सुरक्षित बनती है। इसमें मोबाइल से पैसे हस्तांतरित करना, ऑनलाइन बैंक खाता खोलना और उसमें के व्यवहार, निवेश के ग्रा, जेरोधा इनके जैसे ऐप का उपयोग करना, क्रेडिट कार्ड पेमेंट के लिए CRED का उपयोग करना। इत्यादि व्यवहारों का समावेश होता है। फिनटेक यह शब्द अंग्रेजी के financial technology इस शब्द से बना है। फिनटेक व्यवसाय का इतिहास निम्नलिखित है। फिनटेक १.० (१८६६-१९६७): बुनियादी ढांचा निर्माण का कार्य किया गया। वैश्विक वित्त के लिए बुनियादी ढाँचे की स्थापना करना यह प्रमुख उद्देश्य था।

Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)

This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the [Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International](https://creativecommons.org/licenses/by-nc-sa/4.0/) Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations are licensed under the identical terms.

Address for correspondence:

कु. शुभांगी दिलीप नारेकर, वाणिज्य और व्यवस्थापन विभाग, गो. से. अर्थ वाणिज्य महाविद्यालय अमरावती रोड नागपुर

How to cite this article:

नारेकर, . शुभांगी . दिलीप ., & थनगण, . विशाल . एन. (2025). भारत में फिनटेक नवप्रेरणा से डिजिटल व्यावसायिक प्रगति एक विश्लेषणात्मक अध्ययन. Journal of Research and Development, 17(11(A)), 47–55.

<https://doi.org/10.5281/zenodo.17866296>



Quick Response Code:



Website:

<https://jrdvrb.org/>

DOI:

10.5281/zenodo.17866296





Source : online images from ms word. 2025

इसमें टेलीग्राफ का उपयोग करके इलेक्ट्रॉनिक धन हस्तांतरण के लिए फेडवायर फंड्स सर्विस की 1918 में शुरुआत की गई और 1950 में स्थापित किया गया पहला सार्वभौमिक क्रेडिट कार्ड (डाइनर्स क्लब) इसमें शामिल था।

फिनटेक 2.0 (1967-2008) : पारंपरिक वित्त का डिजिटलीकरण इस अवधि के दौरान किया गया, पारंपरिक वित्तीय संस्थानों ने एनालॉग से डिजिटल प्रणालियों में बदलाव का नेतृत्व किया। नवाचारों में 1967 में पहला एटीएम, 1971 में नेस्टैक डिजिटल स्टॉक एक्सचेंज, 1973 में स्विफ्ट वैश्विक संदेश प्रणाली और 1980 और 1990 के दशक में ऑनलाइन बैंकिंग का उदय सहभागी था।

फिनटेक 3.0 (2008-वर्तमान) : स्टार्टअप्स का उदय और विघटन इसमें सम्मिलित है. 2008 के वित्तीय संकट ने पारंपरिक बैंकों में जनता के विश्वास को कम कर दिया, जिससे नए फिनटेक स्टार्टअप्स के लिए अवसर प्राप्त हुए।

इस युग को निम्नलिखित विकासों द्वारा परिभाषित किया गया है:

बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकॉरेंसी (2009)

मोबाइल भुगतान प्रणालियाँ और डिजिटल वॉलेट, जो व्यापक रूप से स्मार्टफोन के उपयोग से प्रेरित हैं. उदाहरण के लिए, 2011 में गूगल वॉलेट, 2014 में एप्पल पे, इत्यादि।

पीयर-टू-पीयर उधार और ऑनलाइन ट्रेडिंग के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सम्मिलित है. उदाहरण के लिए, 1998 में पेपल, 1990 के दशक में ई-ट्रेड, इत्यादि।

नियोबैंक और अन्य डिजिटल-प्रथम वित्तीय सेवाएँ इसमें आती हैं।

फिनटेक उद्योग तेज़ी से बढ़ रहा है. चीन और भारत जैसे उभरते बाजारों में इसकी उपस्थिति महत्वपूर्ण है।

आर्थिक सेवाओं को आसान तरीके से ग्राहकों को उपलब्ध कराने का काम फिनटेक कंपनियाँ डिजिटल माध्यमों की सहायता से पारंपारिक आर्थिक सेवाएँ ज्यादा सस्ती और ग्राहकों के जरूरतों के अनुसार प्रदान करनेवाली कंपनियों को फिनटेक कंपनी कहते हैं. इसमें आर्थिक सेवाएँ डिजिटल माध्यमसे प्रदान की जाती हैं. फिनटेक कंपनियाँ बैंकों के जैसे काम करती हैं. इनमें अंतर सिर्फ इतना है की बैंकों के पास बैंकिंग व्यवसाय चलाने का अधिकार (लाइसेंस) होता है. फिनटेक कंपनियों के पास बैंकों के जैसा विशिष्ट अधिकार नहीं होता. कुछ विशिष्ट व्यवहारों के लिए उन्हें आरबीआय और अन्य संस्थाओं से मान्यता लेनी होती है. इनमें लोन और क्रेडिट के लिए आरबीआय/ एनपीसीआय, डिजिटल पेमेंट और वॉलेट के लिए आरबीआय / एनबीएफसी, निवेश और ट्रेडिंग के लिए सेबी, पेंशन सेवाओं के लिए पीएफआरडीए, बिमा सेवाओं के लिए आयआरडीएआय, निओ बैंक, आरबीआय और बैंक साझेदारी इनसे लायसेंस लेना होता है. फिनटेक कंपनियाँ कौनसा व्यवसाय करती हैं. इसके अनुसार उनकी नियामक संस्थाएँ होती हैं.

साहित्य समीक्षा :

1) (Kandpal & Mehrotra, 2019) पारंपारिक बैंकिंग में ग्राहकों का भरोसा होने से वे नए तकनीक को अपनाने में कम दिलचस्पी लेंगे. नई तकनीक तब ही सफल होगी जब ग्राहक गोपनीयता और सुरक्षितता से संतुष्ट होंगे. आधुनिक बैंकिंग में पारंपारिक तरीकों से सस्ती होने के बावजूद ग्राहकों का भरोसा जितने में समय लगता है.

2) (Asif, M., Khan, M. N., Tiwari, S., Wani, S. K., & Alam, F. (2023)) ऐसा माना जाता है की गरीबी कम करने, संतुलित आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में और आर्थिक स्थिरता बनाये रखने के लिए वित्तीय समावेशन जरूरी है. अविकसित राष्ट्रों में अभी भी बुनियादी बैंकिंग सेवाएँ नहीं हैं. इनमे ज्यादातर एशियाई देश मध्य पूर्वी देश आते हैं. भारत के ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने

वाले लोगों के लिए बैंकिंग जैसी बुनियादी मौद्रिक सेवाएं मिलना आसान नहीं। वित्तीय व्यवहार करने के लिए नए उद्योग या स्वरोजगार से संबंधित पहलों में निवेश कर वित्तीय तकनीक और मोबाइल मनी संबंधित सेवाओं का उपयोग करना जरूरी है। शेयरिंग इकॉनॉमी, कानून और सुचना प्रौद्योगिकी ये इन पहलों के कारण प्रगति में योगदान दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त फिनटेक क्षेत्र में संशोधन बाल्यावस्था में है। विकासशील देशों में वित्तीय समावेशन को विकास का मुख्य उद्देश मानते हैं। इस संशोधन से यह निष्कर्ष निकला कि जो ग्राहक वित्तीय समावेशन में भाग लेने वाले हैं उन्हें हमेशा फिनटेक आधारित मोबाइल सेवाओं का उपयोग कर लेनदेन करने का प्रयास करना चाहिए। फिनटेक के क्षेत्र में भरोसे से जुड़ी दिक्कतें किसी भी दूसरी इंडस्ट्री के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। लोगों के वित्त को मैनेज करने वाली डिजिटल सेवाएं सीधे तौर पर उनके वित्तीय लाभप्रदता से जुड़ी होती हैं। इसलिए, भरोसा बहुत जरूरी है, और फिनटेक इसे प्रदान कर रहा है। इस संशोधन के नतीजे पहले के संशोधनों से मेल खाते हैं।

3) (Pooja & Panigrahi, 2024) भारत में फिनटेक और यूपीआय से वित्तीय माहौल बदल गया है। बैंकिंग प्रणाली में परिवर्तन हुआ है। बैंकों की संख्या में बढ़ोतरी के साथ यूपीआय व्यवहारों संख्या भी ज्यादा है। इसमें भी सुरक्षितता, उपयोगकर्ता अनुसार यूपीआय एंगेजमेंट बेहतर बनाना एवं ग्रामीण इलाकों में बिना बैंक वाले लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाना जरूरी होगा। क्रॉस बॉर्डर पेमेंट बेहतर बनाना, डेटा की जानकारी से ग्राहक सेवाओं में परिवर्तन लाना। डिजिटल बैंकिंग सुरक्षित, विश्वसनीय और पारदर्शी बनाये ऐसी नीतियां लाना जरूरी है। यूपीआय ने वित्तीय व्यवहारों में परिवर्तन लाया है और देश के डिजिटल इकॉनॉमी में व्यवहारों को आसान किया है।

4) (Gupta & Lahiri, 2025) भारत में डिजिटल क्रांति यह डिजिटल पेमेंट पारिस्थितिकी तंत्र का उत्तम उदाहरण है। इससे आर्थिक दक्षता बेहतर बनाने में मदद होती है। डिजिटल वॉलेट, बाय नाउ पे लेटर (BNPL) सेवाएं इनसे उपयोगकर्ताओं को ज्यादा वित्तीय सेवाओं का उपयोग करने की पहुँच मिली है। इन बदलावों ने न केवल सुविधाएं बढ़ाई हैं बल्कि छोटे व्यवसाय, गिग वर्कर्स और गावों में रहने वाले लोगों को अर्थव्यवस्था में समाविष्ट कर उन्हें सशक्त बनाया है। नियामकीय व्यवस्था ने भारत के डिजिटल पेमेंट अर्थव्यवस्था पद्धति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

5) (Sharma et al., 2023) फिनटेक से कई मुख्य व्यवसायों के व्यवसाय करने के तरीकों में परिवर्तन आया है। इससे छोटे व्यवसाय परिवर्तन में पीछे छूट सकते हैं। भुगतान, वित्त, इन दो प्रमुख श्रेणियों के अंतर्गत इनके परिमाण, अपनाने का कारण, सफल फंडिंग, डिफाल्ट, परिचालन निर्णय और व्यवसायों पर फिनटेक आधारित वित्तीय सेवाओं के परिणाम जैसे उपविषय समाविष्ट हैं।

उद्देश

1. फिनटेक ईआरपी (ERP) सिस्टम्स से मध्यम उद्योगों के निर्णय निर्माण एवं उत्पादकता में वृद्धि का अध्ययन करना इसमें समाविष्ट है।
2. फिनटेक आधारित अकाउंटिंग ऐप्स उदा. Zoho Books, Vyapar इत्यादी. के उपयोग से व्यवसायों की लेखांकन दक्षता में क्या परिवर्तन होते हैं इसका संशोधन करना।
3. फिनटेक आधारित स्मार्ट इनवॉइसिंग और स्वचालित मिलान प्रणाली ने लघु व्यवसायों की वित्तीय तरलता और लाभप्रदता में क्या परिवर्तन किया है यह संशोधन करना।
4. फिनटेक सेवाओं में मनोवैज्ञानिक संकेत या सुझाव जैसे समय पर सूचनाएँ, गोल बेस्ड सेविंग टूल्स ने व्यवसायिक विकास को किस तरह से पुनर्परिभाषित किया है, इसका विश्लेषण करना।
5. ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक) जानकारी के साथ फिनटेक ने व्यवसायिक उत्तरदायित्व को कैसे बदला है यह संशोधन करना।

परिकल्पनाएं

1. फिनटेक ईआरपी (ERP) सिस्टम्स से मध्यम उद्योगों के निर्णय निर्माण एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है।
2. फिनटेक आधारित अकाउंटिंग ऐप्स उदा. Zoho Books, Vyapar इत्यादी. के उपयोग से व्यवसायों की लेखांकन दक्षता में सकारात्मक परिवर्तन होते हैं।
3. फिनटेक आधारित स्मार्ट इनवॉइसिंग और स्वचालित मिलान प्रणाली ने लघु व्यवसायों की वित्तीय तरलता और लाभप्रदता में सकारात्मक परिवर्तन आये हैं।

4. फिनटेक सेवाओं में मनोवैज्ञानिक संकेत या सुझाव जैसे समय पर सूचनाएँ, गोल बेस्ड सेविंग टूल्स ने व्यवसायिक विकास को फायदेमंद तरीके से पुनर्परिभाषित किया है।

5. ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक) जानकारी के साथ फिनटेक ने व्यवसायिक उत्तरदायित्व को बदला है।

संशोधन पद्धति

प्राथमिक तथ्य : इस संशोधन के लिए गुगल फॉर्म की मदद ली गई है। इसके लिए प्रतिदर्श ३० प्रतिसादकर्ताओं का था। प्राथमिक तथ्यों के आधार पर ३० प्रतिसादकर्ताओं द्वारा आये प्रतिसाद इसमें समाविष्ट किये गए हैं।

द्वितीयक तथ्य : इसमें अखबार, वेबसाइट, यु ट्यूब विडिओ, सरकारी अहवाल, संशोधनपर लेख इनका समावेश है।

ऑकड़ों की प्रकृति और प्रकार

इस शोध में उपयोग किए गए ऑकड़े Google Form के माध्यम से एकत्रित किए गए प्रतिक्रियाओं (responses) पर आधारित हैं। प्रश्नावली में उत्तरदाताओं की राय को मापने के लिए Likert Scale (1 से 5 तक) का उपयोग किया गया है, जिसमें

1 = बिल्कुल असहमत

2 = असहमत

3 = न तो सहमत, न असहमत

4 = सहमत

5 = पूर्ण रूप से सहमत

जैसी श्रेणियाँ सम्मिलित हैं।

चूँकि सभी प्रश्नों के उत्तरों को पाँच-बिंदु स्केल पर अंकित किया गया है, अतः यह डेटा समूहित (Grouped Data) के अंतर्गत आता है। इस प्रकार के ऑकड़ों का विश्लेषण औसत (Mean), माध्यिका (Median) और बहुलक (Mode) जैसे सांख्यिकीय मापों द्वारा किया जाता है, जिससे उत्तरदाताओं की प्रवृत्ति और धारणा का पता चलता है।

सांख्यिकीय मापों के सूत्र

1. औसत (Mean):

$$\text{Mean} = \sum f x / \sum f$$

जहाँ,

f = प्रत्येक वर्ग का आवृत्ति (frequency)

x = प्रत्येक वर्ग का मध्य मान (class mark)

2. माध्यिका (Median):

$$\text{Median} = L + [(N/2 - F) / f] \times h$$

जहाँ,

L = माध्यिका वर्ग की निचली सीमा

N = कुल आवृत्तियों का योग

F = माध्यिका वर्ग से पहले की कुल आवृत्तियों का योग

f = माध्यिका वर्ग की आवृत्ति

h = वर्ग अंतराल (class interval)

3. बहुलक (Mode):

$$\text{Mode} = L + [(f_1 - f_0) / (2f_1 - f_0 - f_2)] \times h$$

जहाँ,

L = बहुलक वर्ग की निचली सीमा

f₁ = बहुलक वर्ग की आवृत्ति

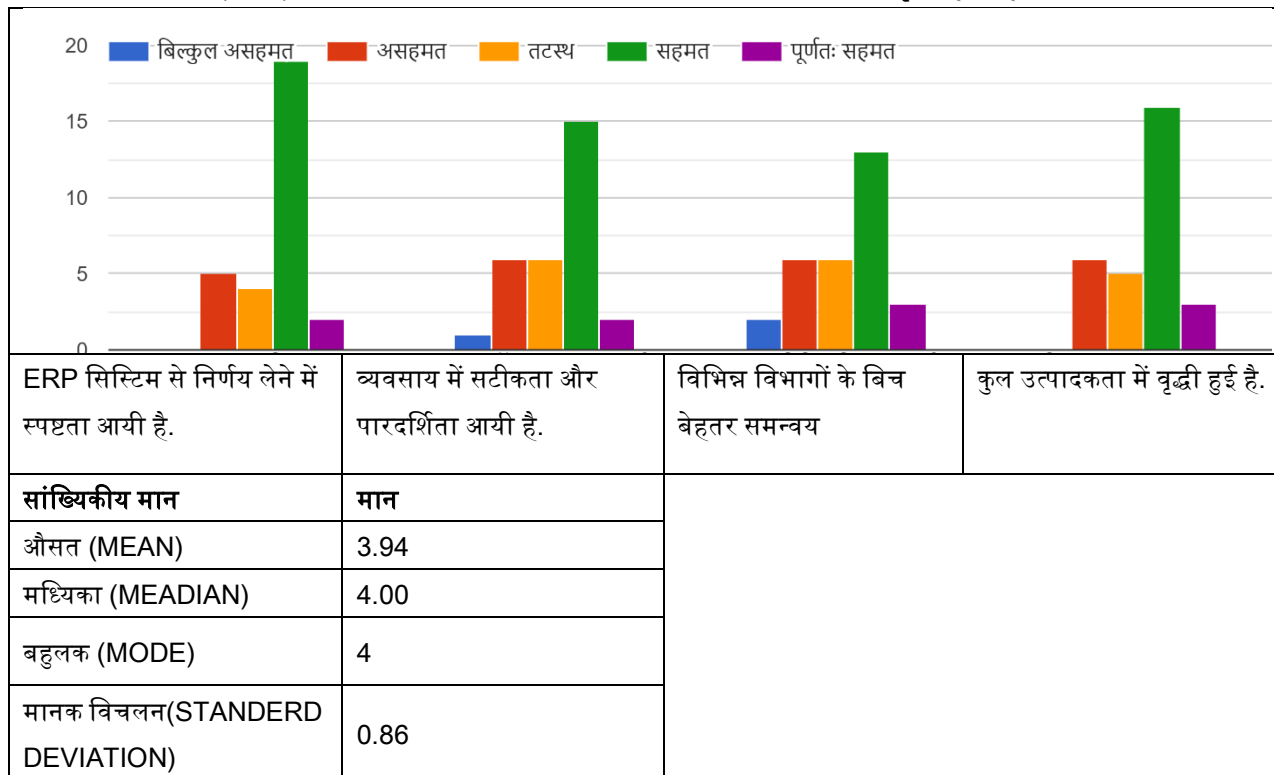
f_0 = बहुलक वर्ग से पहले की आवृत्ति

f_2 = बहुलक वर्ग के बाद की आवृत्ति

h = वर्ग अंतराल

सांख्यिकीय विश्लेषण :

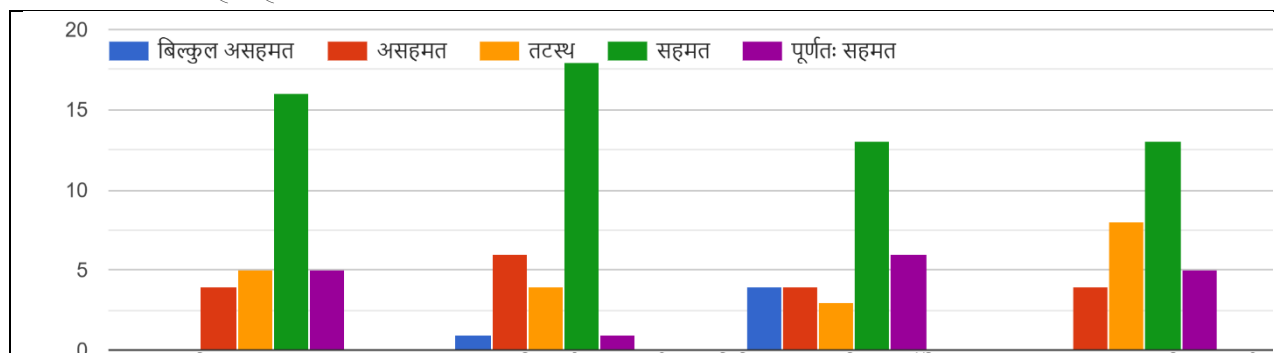
1. फिनटेक ईआरपी (ERP) सिस्टम्स से मध्यम उद्योगों के निर्णय निर्माण एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है.



विश्लेषण:

औसत और माध्यिका यह दर्शाती है ज्यादा प्रतिसादकर्ताओं ने निर्णय निर्माण और उत्पादकता में ERP व्यवस्था को सहाय्यक माना है. क्योंकि मानक विचलन कम है इसलिए यह निष्कर्ष निकलता है की प्रतिभागियों के विचार स्थिर है इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत है.

2. फिनटेक आधारित अकाउंटिंग ऐप्स उदा. Zoho Books, Vyapar इत्यादी. के उपयोग से व्यवसायों की लेखांकन दक्षता में सकारात्मक परिवर्तन होते है.



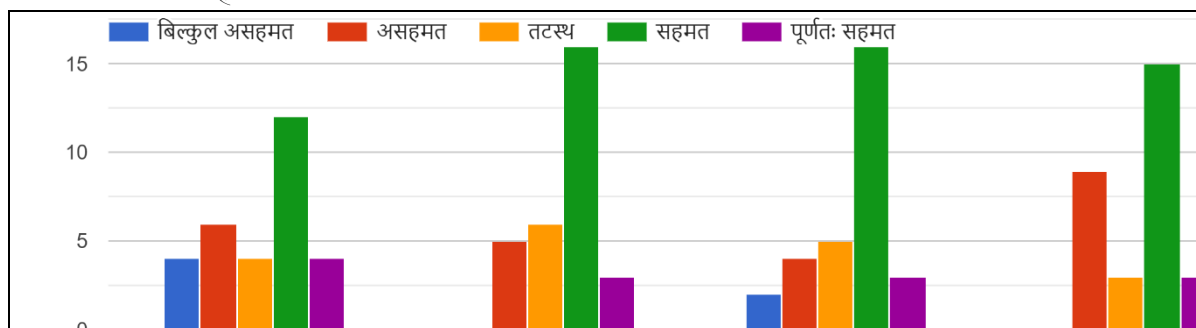
वित्तीय रेकॉर्ड रखना आसान हुआ है.	इन एप्स से त्रुटियां कम और समय की बचत हुई है.	डिजिटल लेखांकन से गणना और कर नियमों का पालन करने में सहायता हुई है.	इन एप्स की मदद से लेखांकन प्रक्रिया में सकारात्मक बदलाव आये है.
-----------------------------------	---	---	---

सांख्यिकीय मान	मान (VALUE)
औसत (MEAN)	4.08
मध्यिका (MEDIAN)	4.00
बहुलक (MODE)	4
मानक विचलन (STANDERD DEVIATION)	0.79

विश्लेषण:

इन परिणामों से यह विश्लेषित किया जाता है की ज्यादातर लघु व्यावसायिक लेखांकन एप्स को लेखांकन दक्षता में सकारात्मक बदलाव का साधन मानते है. कम मानक विचलन से यह विश्लेषित किया जाता है की उत्तरों में एकरूपता है इसलिए यह परिकल्पना स्वीकृत है.

3. फिनटेक आधारित स्मार्ट इनवॉइसिंग और स्वचालित मिलान प्रणाली ने लघु व्यवसायों की वित्तीय तरलता और लाभप्रदता में सकारात्मक परिवर्तन आये है.

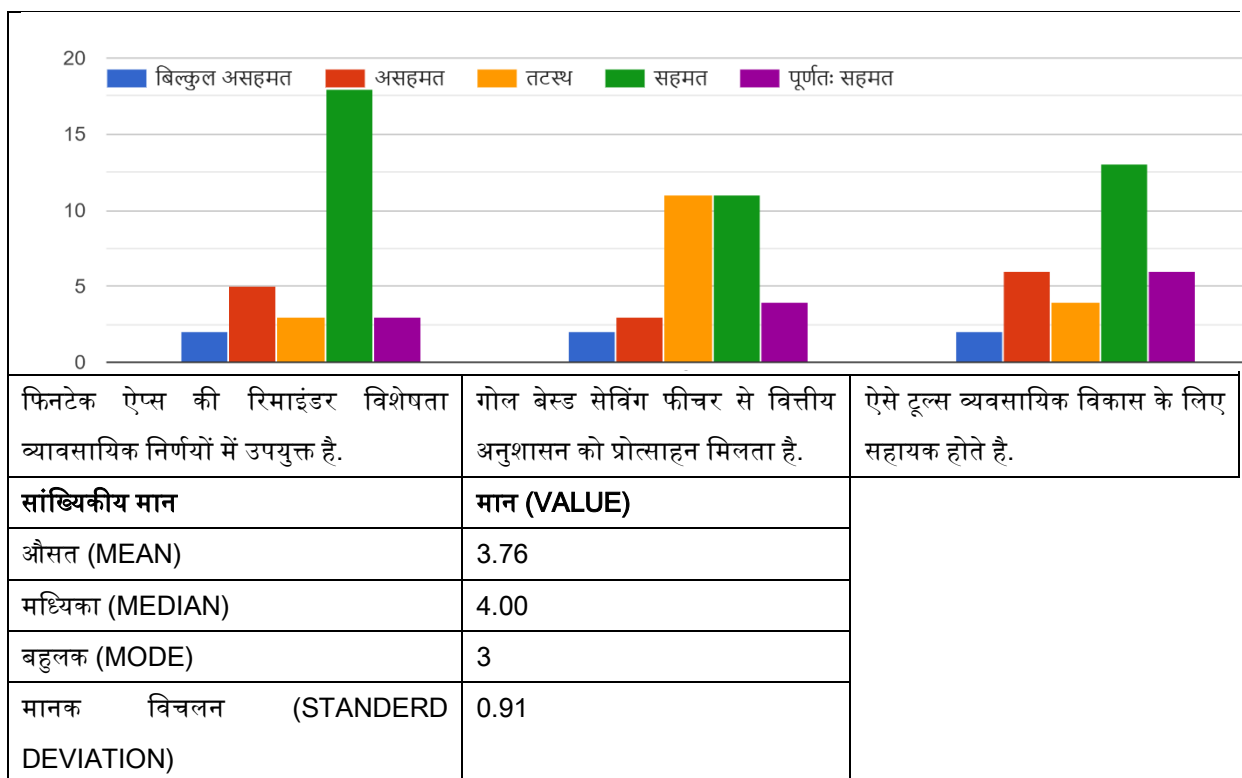


स्मार्ट इनवॉइसिंग से भुगतान समयपर प्राप्त होने में मदद होती है.	स्वचालित मिलान प्रणाली से बकाया राशि की देखरेख और निगरानी सरल होती है.	इससे नकदी प्रवाह (cash flow) सरल हुआ.	इससे लाभप्रदता में वृद्धि हुई है।
---	--	---------------------------------------	-----------------------------------

सांख्यिकीय मान	मान (VALUE)
औसत (MEAN)	3.88
मध्यिका (MEDIAN)	4.00
बहुलक (MODE)	4
मानक विचलन (STANDERD DEVIATION)	0.82

विश्लेषण : औसत से यह विश्लेषित किया जाता है की ज्यादातर उत्तरदाता इस बात से सहमत है की स्मार्ट इनवॉइसिंग उनके नकदी प्रवाह को सरल यह परिकल्पना आंशिक रूप से स्वीकृत है.

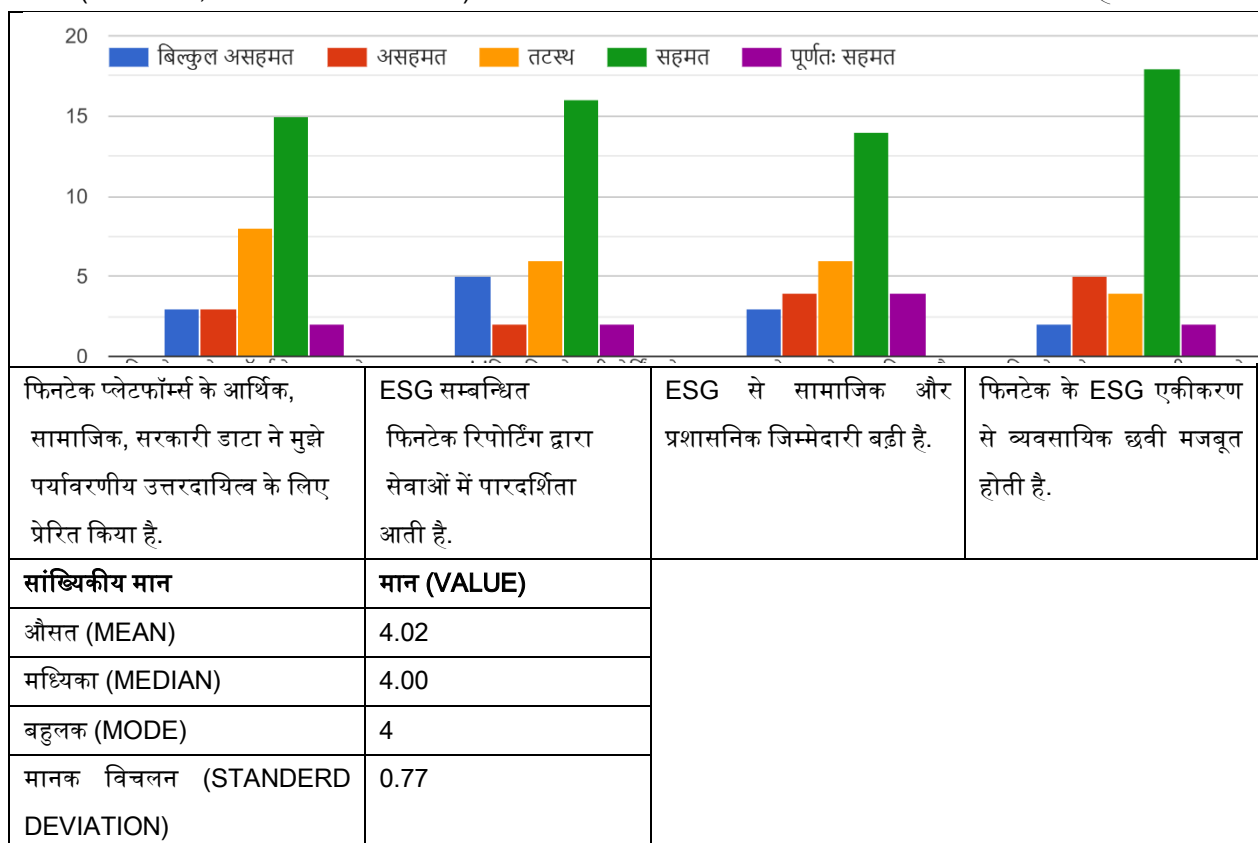
4. फिनटेक सेवाओं में मनोवैज्ञानिक संकेत या सुझाव जैसे समय पर सूचनाएँ, गोल बेस्ड सेविंग टूल्स ने व्यवसायिक विकास को फायदेमंद तरीके से पुनर्परिभाषित किया है.



विश्लेषण

प्रतिसादकर्ताओं के विचार अलग होने के बावजूद बहुमत ने सहमती दिखाई है. औसत से यह विश्लेषित किया जाता है की मनोवैज्ञानिक संकेत एवं सूचनाएं व्यावसायिक व्यवहार में सकारात्मक भूमिका निभाते हैं.

5.ESG (पर्यावरणीय, सामाजिक और प्रशासनिक) जानकारी के साथ फिनटेक ने व्यवसायिक उत्तरदायित्व को बदला है।



विश्लेषण

औसत और माध्यिका में निकटता है इसलिए यह विश्लेषित किया जाता है की प्रतिसादकर्ता ESG जानकारी को महत्वपूर्ण मानते हैं। फिनटेक रिपोर्टिंग प्रणाली द्वारा व्यवसाय सामाजिक और प्रशासनिक जिम्मेदारी के लिए ज्यादा सजग बने हैं।

(Source: Primary Data Analysis, 2025)

मर्यादा

1. अध्ययन क्षेत्र सिमित है। कम समय में गूगल फॉर्म से प्रतिसाद एकत्रित किये गए हैं। सभी उद्योग ERP प्रणाली का समान उपयोग नहीं करते। कर्मचारी तकनीकी कौशल में कितने कुशल है यह भी उनके द्वारा ERP उपयोग में परिणामकारक होता है।
2. सभी व्यावसायिक डिजिटल साक्षर नहीं होते। इसलिए वे एप्स का उपयोग समान तरीके से नहीं करते। इसलिए परिणाम सार्वभौमिक नहीं है। एप्स और संस्करण कौन सा है इसपर भी उत्तरदाताओं के निष्कर्ष आधारित होते हैं।
3. यह अध्ययन लघु और मध्यम उद्योगों तक ही सिमित है। सभी लघु व्यवसाय इनवॉइसिंग प्रणाली को डिजिटल रूप में नहीं इस्तेमाल करते। बाजार की स्थिति लाभप्रदता पर परिणाम कर सकती है। इसमें उपयोगकर्ता की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी महत्वपूर्ण होती है।
4. यह अध्ययन अल्पकालिक है इसलिए दीर्घकालीन अध्ययन आवश्यक है। इसमें डेटा उपयोगकर्ताओं के अनुभवों पर आधारित है व्यवसाय के वास्तविक वित्तीय परिणामों पर आधारित नहीं। भारत में यह ERP रिपोर्टिंग प्रणाली प्रारंभिक है। छोटे व्यवसाय ESG प्रणाली की तकनीकी प्रक्रिया नहीं सिख पाते।
5. नमूना आकार कम है इसलिए सामान्यीकरण सिमित है।

उपाययोजना

1. ERP प्रणाली अपनाने वाले मध्यम उद्योगों को निर्णय निर्माण एवं संसाधन नियोजन में दक्षता बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। नीति-निर्माताओं और MSME विभागों को डिजिटल ERP प्रोत्साहन योजनाएँ बनाने में सहायता करनी चाहिए।
2. लेखांकन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए फिनटेक ऐप्स को व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए।
3. सरकार और बैंकिंग संस्थाएँ स्मार्ट इनवॉइसिंग अपनाने के लिए प्रोत्साहन नीति बना सकती हैं।
4. फिनटेक संस्थाओं को ESG रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म विकसित करना चाहिए जिससे वे व्यवसायिक पारदर्शिता बढ़ा सकती हैं।
5. फिनटेक कंपनियों ने behavioral finance tools और gamified saving systems को और विशेषताओं के साथ बनाना चाहिए।

निष्कर्ष

फिनटेक सेवाओं ने व्यवसायिक निर्णय निर्माण, लेखांकन दक्षता, वित्तीय तरलता, मनोवैज्ञानिक संकेतों तथा ESG जिम्मेदारी में सकारात्मक परिवर्तन आये हैं। औसत 3.9 से अधिक है इसलिए यह विश्लेषित किया जाता है कि उत्तरदाताओं की धारणा अनुकूल है। यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि, “फिनटेक से भारतीय मध्यम एवं लघु उद्योगों की उत्पादकता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व में बदलाव आये है। परिकल्पनाओं की मर्यादा यह दर्शाती है कि अध्ययन का दायरा सीमित होते हुए भी इसके निष्कर्ष नीति निर्माण, प्रशिक्षण, और MSME विकास योजनाओं के लिए उपयुक्त हैं। डिजिटल पेमेंट और लोन प्रोसेसिंग सुधार के लिए उपयोगी है। यह अध्ययन सतत वित्त (Sustainable Finance) के क्षेत्र में नई संभावनाएँ खोलता है। यह व्यवसायों के लिए ग्राहक engagement रणनीति में सुधार का आधार बनेगा।

Acknowledgement

“The author has taken conceptual assistance from AI-based language tools (ChatGPT, OpenAI) only for linguistic clarity and structural organization. The analysis and interpretations are original.”

“The questionnaire was designed with AI assistance and finalized by the researcher for academic purposes.”

“The data analysis process was supported using ChatGPT (OpenAI, 2025) to assist in preliminary code generation and interpretation. Final analyses and conclusions were conducted and verified by the author.”

“Data analysis and interpretation were assisted using AI-based statistical tools for summarization and descriptive analysis (ChatGPT, 2025).”



संदर्भ

1. Gupta, M. K., & Lahiri, D. M. M. (2025). Digital Transaction in Indian Payment Ecosystem- A Comprehensive Analysis. *Journal of Marketing & Social Research*, 2, 223–229. <https://doi.org/10.61336/jmsr/25-05-25>
2. Kandpal, V., & Mehrotra, R. (2019). *FINANCIAL INCLUSION: THE ROLE OF FINTECH AND DIGITAL FINANCIAL SERVICES IN INDIA*.
3. Pooja, M., & Panigrahi, G. (2024). Analytical Study of FinTech in India – A Special Reference to UPI Sector. *JETIR*, 11(5), 714–721. www.jetir.org
4. Sharma, S. K., Ilavarasan, P. V., & Karanasios, S. (2023). Small businesses and FinTech: A systematic review and future directions. *Electronic Commerce Research*, 1–41. <https://doi.org/10.1007/s10660-023-09705-5>
5. Asif, M., Khan, M. N., Tiwari, S., Wani, S. K., & Alam, F. (2023). The Impact of Fintech and Digital Financial Services on Financial Inclusion in India. *Journal of Risk and Financial Management*, 16(2), 122. <https://doi.org/10.3390/jrfm16020122>